# पिकअप पलटी, 14 महिलाओं सहित 26 जने घायल

## हादसे के बाद मौके पर घायलों की चीख-पुकार मच गई

**भीलवाड़ा।** पड़ोसी जिले शाहपुरा के पारोली थाना इलाके में बुधवार सुबह टायर फटने के बाद एक पिकअप पलट गई।

हादसे में 14 महिलाओं सहित 26 लोग घायल हो गये। मौके पर घायलों की चीख-पुकार मच गई। आस-पास मौजूद लोगों व पारोली पुलिस ने घायलों को पारोली अस्पताल ले जाया गया, जहां से करीब दस घायलों को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पारोली पुलिस ने बताया कि माली समाज के एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई थी। बुधवार सुबह अंतिम संस्कार होने से मृतक के रिश्तेदार रेण गांव से पिकअप में सवार होकर पारोली के लिए रवाना हुए। यह पिकअप पारोली क्षेत्र में भूणाजी का झोंपड़ा चौराहे के पास पहुंची थी कि अचानक चलती पिकअप का पिछला टायर फट गया, जिससे यह पिकअप सड़क पर पलट गई और 20 से 25 फीट तक सड़क पर घसीटते गई। इसके चलते पिकअप में सवार लोग सड़क पर गिरने के बाद पिकअप से टकराकर घायल हो गये। करीब 26 लोग चोटिल हो गये। इनमें 14 महिलायें शामिल हैं। आस-पास मौजूद लोगों के साथ ही सूचना पर पहुंची पारोली पुलिस ने घायलों को पारोली अस्पताल पहुंचाया, जहां 10 घायलों को गंभीर चोट लगने से उन्हें भीलवाा के महात्मा गांधी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया, जबकि शेष का वहीं उपचार किया जा रहा है।

एमजी अस्पताल में एक बुजुर्ग भुवाना (60) पुत्र देवीलाल माली की मौत हो गई। हादसे में घायल मोहन (60) पुत्र मांगू माली, लादू (30) पुत्र भुवाना माली, लादू (68) पुत्र पेमा माली, किशन (14) पुत्र भंवर माली, गोपाल (40) पुत्र चुना माली, मांगू (45) पुत्र छीतर माली, कमली (55) पत्नी बद्रीलाल माली, कोयली (45) पत्नी हीरा माली, मानी (11) पुत्री भैंरू माली, कमली (40) पत्नी शंकर माली, छोटू (25) पुत्र चूना माली, उदी (45) पत्नी भैंरू माली, कांता पत्नी कालू माली, आशा (25) पत्नी लाला माली, महेंद्र (28) पुत्र रामेश्वर माली, काली माली (40), कैलाश (30) पुत्र डूंगर माली, फौरी (25) पत्नी छोटू माली, गुलाबी (40) पत्नी उदालाल माली, गोपाली (30) पत्नी राजू माली, रामकन्या (50) पत्नी भैंरू माली, उदय लाल (55) पुत्र गुलाब माली, बद्री (50) पुत्री श्रीराम माली, गीता (22) पत्नी खाना माली, सायरी (40) पत्नी बद्री माली का हॉस्पिटल में उपचार जारी है।

पिकअप पलटने से घायल लोगों का अस्पताल में उपचार किया गया।

- पारोली पुलिस ने बताया कि माली समाज के एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई
- पिकअप का पिछला टायर फटने से पिकअप सड़क पर पलट गई

# फर्जी जिला स्पेशल टीम के खिलाफ कार्रवाई

**ब्यावर,** (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह आई.पी.एस. के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा व वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकटतम सुपरविजन में सदर थानाधिकारी गंगाराम खावा मय टीम द्वारा जिला स्पेशल टीम के फर्जी सदस्य बन आमजनो को धमकाने एवं लुटपाट करने के प्रयास करने वाले दो आरोपीयो परमेश्वरसिंह पुत्र नारायणसिंह जाति रावत उम्र 25 साल निवासी ग्राम झाला की चौकी कायाभीला पुलिस थाना बर एवं संदीप डिडवानियां उर्फ संन्जु जाति रैगर उम्र 22 साल निवासी सुभाषनगर पुलिस थाना रामगंज अजमेर को गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो कैम्पर भी जब्त किया है।

- फर्जी जिला स्पेशल टीम के सदस्य बन आम जनो को धमकाने एवं लुटपाट के प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार

लूटपाट करने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

गौरतलब है की 25 नवंबर को आजाद काठात की वायरल खबर के संबंध में तलब करने पर एक लिखित रिपोर्ट पेश की गई की 23./24.नवंबर को प्रभु की बगीया में शादी समारोह से निकल कर रात को मेरी स्कूटी से घर आ रहा था तब कारगिल काठात पेट्रोल पम्प से पहले हाईवे पर एक सफेद कलर की महिन्द्रा कैम्पर से एक आदमी नीचे आया और कहा की हम स्पेशल पुलिस टीम से है। तु यहाँ क्या कर रहा है और मारपीट कर कैम्पर गाडी मे डालना चाहा और मेरी स्कुटी छिनकर ले जाने का प्रयास किया जिस पर मै चिल्लाया तो आरोपी कैम्पर गाडी मे बैठकर वहा से भाग गये। उक्त घटना को गम्भीरता से लेते हुऐ जिला स्पेशल टीम व पुलिस थाना सदर द्वारा सूचना संकलन व मुखबीर से जानकारी लेते हुए दो संदिग्ध को डिटेन कर पुलिस टीम द्वारा गहनता से पुछताछ की गई। दोनों ने ही जिला स्पेशल टीम के फर्जी सदस्य बन आमजनो को धमकाने एवं लुटपाट करने के प्रयास की वारदात को स्वीकार करने पर गिरफ्तार कर लिया गया और घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो कैम्पर को जब्त करने में सफलता मिली। गंगाराम खावा सदर थानाधिकारी गंगाराम खावा की पुलिस टीम में रामजस सहायक उप निरीक्षक, जितेन्द्र सिह हैडकानि, महेन्द्र कुमार, राजु कानि, भवानी सिह कानि, रिछपाल आदि थे।

# अनियंत्रित होकर बाइक घुसी ट्रोले में, दोनों की मौत

## बाइक और मोबाइल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए

**गंगापुर सिटी।** जयपुर हाईवे पर बुधवार सुबह बाइक आगे चल रहे ट्रोले में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को गंगापुर सिटी गवर्नमेंट हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराकर पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार बाढ गहनौली निवासी मोनू वैष्णव (22) पुत्र पुरुषोत्तम और मनमोहन वैष्णव (20) पुत्र मुरारी लाल दोनों बाइक से गंगापुर सिटी पानी की मोटर का सामान लेने के लिए आ रहे थे। इस दौरान गंगापुर सिटी-जयपुर रोड पर बाढ कला गांव के पास सुबह करीब 9:30 बजे बाइक बेकाबू हो गई और आगे चल रहे ट्राली से जा टकराई। जिसके कारण दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बाइक और मोबाइल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस 108 ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घटना का पता चलने पर सदर थाना पुलिस गवर्नमेंट अस्पताल पहुंची।

सदर थाने के एएसआई दाताराम ने बताया कि घटना के बारे में परिजनों को सूचना दी गई और परिजनों के आने के बाद दोनों का पोस्टमॉर्टम कराकर सब परिजनों के सौंप दिया गया।

# नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की सजा, 47 हजार का अर्थदण्ड

**कोटा,** (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के 22 माह पुराने मामले में पॉक्सो कोर्ट क्रम-3 ने आरोपी नर्सिंग स्टूडेंट को दोषी मानते हुये 20 साल की सजा सुनाई साथ ही 47 हजार के अर्थदण्ड से दण्डित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक ललित कुमार शर्मा ने बताया है कि 16 वर्षीय पीड़िता से मोबाईल पर फेसबुक के जरिये आरोपी युवक ने दोस्ती बढ़ाई और जनवरी 2023 में युवक ने अपने किराये के कमरे में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील विडियों बना लिया। विशिष्ट लोक अभियोजक ने बताया कि आरोपी और पीड़िता एक ही गांव के थे जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने उससे संबंध बनाये थे। मामले का पता चलने पर नाबालिग के पिता ने 11 अप्रैल 2023 को महावीर नगर थाने में इसकी शिकायत दी थी शिकायत के आधार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी नर्सिंग स्टूडेंट को गिरफ्तार किया था। मामले में कोर्ट में 19 गवाह व 42 दस्तावेज प्रस्तुत किये गये।

# कैमिकल युक्त जहरीला पानी रोकने लुधियाना कूच करेंगे

## तीन दिसम्बर को सैकड़ों लोग बसों से सुबह 6 बजे साधुवाली लिंक चैनल पहुंचेंगे वहां से एकजुट होकर लुधियाना की ओर कूच करेंगे

**गजसिंहपुर,** (कासं)। ज़हर से मुक्ति आंदोलन के तत्वावधान में सिंहसभा गुरूद्वारा में किसान, मजदूर व व्यापारी संगठनों की बैठक संयुक्त बैठक हुई। जहरीले व कैमिकल युक्त पानी की रोकथाम के लिए 3 दिसम्बर को लुधियाना जाने का निर्णय लिया गया। सैकड़ों लोग बसों के माध्यम से सुबह 6 बजे साधुवाली लिंक चैनल पहुंचेंगे वहां से एकजुट होकर लुधियाना की ओर कूच करेंगे।

आंदोलन के संयोजक मनिन्द्र सिंह मान ने कहा पंजाब सरकार ने जहरीले पानी के उपचार के लिए करोड़ों रूपये की लागत से एसटीपी संयंत्र लगाए है लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। ऐसे ज़हरीले पानी को किसी भी तरह से ट्रीट नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा हमारी मांग स्पष्ट है कि सतलुज में बुड्ढा नाला से प्रवाहित प्रदूषित जल को ट्रीट करके भी नहीं डाला जाना चाहिए। वहीं उन औद्योगिक इकाईयों को बंद करना चाहिए जो सतलुज नदी को प्रदूषित कर रही है।

रविन्द्र तरखान ने कहा कि आजादी के 78 साल बाद भी पंजाब और राजस्थान के करीब 3 करोड़ लोगों पीने का शुद्ध पानी मुहैया कराने में सरकारों की नाकामी रही है व नदियों को प्रदूषित होता देख रही है। उन्होंने कहा सतलुज पर आश्रित पूरा क्षेत्र कैंसर, काला पीलिया और असाध्य रोगों व केन्द्र बन रहा है। इस मौके पर किसान नेता गुरचरण सिंह मौड़, राकेश शर्मा, नगर पालिका चेयरमैन चमकौर सिंह रामगढिया, मेघराज खत्री, मजदूर नेता कश्मीरी लाल, हंसराज गोदारा, व्यापारी राम बजाज व नगर पालिका के कुछ पार्षद भी बैठक में शामिल थे।

# सिन्धु दर्शन यात्रा के लिए मिलेगी 15 हजार रूपए की आर्थिक सहायता

## सिन्धी समाज के लिए राज्य सरकार का तोहफा

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आठाह पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सिन्धी समाज को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली लेह-लद्दाख सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को 15 हजार रूपए प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सिन्धु दर्शन यात्रा में चार दिन तक लेह-लद्दाख में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होते हैं तथा यह यात्रा 18 जून से शुरू होकर 30 जून को समाप्त होती है।

सिन्धी समाज के तीर्थयात्री हर साल 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा 18 जून से जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है तथा 30 जून को इसका अधिकारिक समापन होता है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा को ज्ञापन देकर आठाह किया था कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को भी अन्य तीर्थ यात्राओं की तरह आर्थिक सहायता दी जाए। इस पर निर्णय करते हुए राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों के लिए 15 हजार रूपए प्रति यात्री की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

गौरतलब है कि वर्ष 1997 में भारत रत्न एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने सिन्धु दर्शन यात्रा की शुरूआत की थी। प्रतिवर्ष यह यात्रा 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में आयोजित की जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सिंधी धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। वेद, शास्त्र एवं धार्मिक मान्यताओं में सिन्धु नदी का बड़ा महत्व है। लगभग सभी ठान्थों में सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रगान में भी सिन्धु नदी का उल्लेख है। सिन्धी समाज में भी ईष्ट देव श्री झूलेलाल जी के अवतार का जल से संबंध है।से में यह यात्रा सिन्धी धर्मावलम्बियों के लिए बड़ी पवित्र मानी जाती है। प्रतिवर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से सिन्धी धर्मावलम्बी इस पवित्र यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है एवं लगभग 12 दिन चलती है। यात्रा में लेह-लद्दाख में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं।

- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया था मुख्यमंत्री से आग्रह
- सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र यात्रा मानी जाती है सिन्धु दर्शन यात्रा
- लेह-लद्दाख में चार दिन होते हैं आयोजन, 12 दिन चलती है यात्रा

# नाथद्वारा में भारत का पहला क्रिकेट स्टेडियम होटल खुलेगा

**उदयपुर,** (कासं)। भारत का पहला शानदार क्रिकेट स्टेडियम होटल (एमपीएमएससी) राजस्थान के पवित्र शहर नाथद्वारा में 2025 में खुलने जा रहा है। मिराज ग्रुप की तरफ से बनाये जानेवाला यह होटल रेडिसन होटल समूह द्वारा संचालित किया जाएगा। यह भारत का सबसे बडा क्रिकेट स्टेडियम होटल है, जिसमें शानदार आवास के साथ लाइव क्रिकेट देखने की सुविधा है। इसमें 234 आलीशान कमरे होंगे। उनमें से 75 प्रतिशत कमरों में से क्रिकेट मैदान का अनोखा नजारा दिखेगा। यहां ठहरने वाले मेहमान अपने कमरे में बैठकर आराम से क्रिकेट का आनंद ले सकते हैं। यह होटल विलासिता और डिजाइन का सही मिश्रण है। आतिथ्य सत्कार और क्रिकेट के प्रति जुनून, दोनों मामले में यह एक नया मानक स्थापित करता है। इस खेल परिसर में रहकर मदन पालीवाल की दूरदर्शिता और रेडिसन के उत्कृष्ट आतिथ्य का अनुभव लेने के लिए तैयार हो जाइए।

# देवमाली में रोप वे बनने की आस जगी, श्रद्धालुओं को राहत

**मसूदा,** (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के बेस्ट टूरिज्म विलेज देवमाली में रोप वे बनने की आस जगी है। देवमाली में राज्य की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के आगमन पर क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने देवमाली में रोप वे निर्माण करवाने की मांग की थी जिससे देवधाम देवमाली में आने वाले श्रद्धालुओ को सुविधा मिल सके।

- देवमाली में राज्य की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के आगमन पर क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने देवमाली में रोप वे निर्माण करवाने की मांग की थी

इस देते जिलाधीश ब्यावर के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारी ने विकास अधिकारी, पंचायत समिति मसूदा को पत्र प्रेषित कर ठााम देवमाली में भगवान श्री देवनारायण मन्दिर में पहुँच मार्ग हेतु रोप-वे निर्माण कराया जाने हेतु सरपंच, ठााम पंचायत देवमाली से समन्वय स्थापित करते हुए स्थल चिह्नित कर, ठााम पंचायत अनापत्ति प्रमाण सहित रिपोर्ट अतिशीघ्र भिजवाये जाने के निर्देश जारी किए जाने पर विकास अधिकारी संदेश पाराशर ने देवमाली सरपंच एवम ठााम विकास अधिकारी को भेज कर ठााम देवमाली में भगवान श्री देवनारायण मन्दिर में पहुंच मार्ग हेतु रोप-वे निर्माण कराया जाना हेतु पंचायत समिति 'मसूदा तकनिकी अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए स्थल निरीक्षण चिन्हित कर ठााम पंचायत अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित रिपोर्ट कार्यालय को भिजवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिलाधीश के देवमाली में रोप वे के लिए स्थान के चिन्हीकरण के बाद देवमाली में रोप वे बनने की आस जगी है।

# सोने की चेन लूट का आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। महावीर नगर पुलिस ने कार्यवाही करते हुये महिला के गले से सोने की चेन लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। महावीर नगर थानाधिकारी महेन्द्र कुमार मारू ने बताया कि 26 अक्टूबर को फरियादी टीचर कॉलोनी निवासी अविराज विजय ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि मोटरसाईकिल पर दो युवक आये और कोटिल्य सामुदायिक भवन के समीप मेरी मां के गले से सोने की चेन लूटकर फरार हो गये। थानाधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिये टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर मामले में कार्यवाही करते हुये तालाब गांव अनंतपुरा निवासी मोहम्मद शहजाद (20) को गिरफ्तार किया।

# 9वीं से 12वीं की परीक्षा 17 दिसंबर से

**बीकानेर,** (कासं)। शिक्षा विभाग से जुड़े राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में क्लास 9 से 12 तक अर्द्धवार्षिक परीक्षा 17 दिसम्बर से शुरू होगी जो 27 दिसम्बर तक चलेगी। राज्य में पहली बार एक साथ हो रहे हाफ ईयरली एग्जाम का टाइम टेबल जारी करते हुए शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार सर्दी की छुट्टियां 25 दिसम्बर से शुरू नहीं होंगी। सभी स्कूल में प्रैक्टिकल एग्जाम 12 से 16 दिसम्बर के बीच आयोजित किए जायेंगे। अब तक समान परीक्षा जिला स्तर पर होती थी, जिसके लिए जिले के किसी एक स्कूल को जिम्मा सौंपा जाता था। पेपर भी जिला स्तर पर तैयार होते थे और प्रकाशित होते थे। लेकिन अब पूरे राज्य में एक ही पेपर से एग्जाम होगा। ऐसे में पेपर प्रिंटिंग का काम भी एक ही फर्म के माध्यम से किया जायेगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्राइवेट स्कूल में पेपर नहीं रखे जायेंगे। ये पेपर सरकारी स्कूल में रहेंगे, जहां से सभी प्राइवेट स्कूल को निर्धारित समय पर प्राप्त करने होंगे। अगर सरकारी स्कूल में भी सुरक्षा पर संदेह है तो संबंधित पुलिस थाने में पेपर रखे जा सकते हैं। हाफ ईयरली एग्जाम के लिए हर स्टूडेंट से 20 रूपए फीस ली जायेगी। इसके अलावा ईयरली एग्जाम के लिए भी फीस साथ में ली जा सकेगी। संयुक्त निदेशक ये फीस पूर्व में गठित समान परीक्षा संचालन समिति के माध्यम से एकत्रित करके पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा के खाते में जमा करवायेंगे।

- प्रैक्टिकल एग्जाम 12 से 16 दिसम्बर के बीच आयोजित होंगे

# सजा सुनते ही अभियुक्त कोर्ट से भागा

**उदयपुर,** (कासं)। दुष्कर्म मामले में दोष सिद्ध होने पर सजा सुनाने के बाद अभियुक्त कोर्ट कठघरे से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार पीडित भगवत सिंह पुत्र हेरम सिंह राठौड निवासी लखावली सुखेर हॉल रीडर पोस्कों कोर्ट नं. 2 उदयपुर ने आरोपी लक्ष्मण पुत्र मोहनलाल निवासी सिंघटवाड़ा तालाब फला जावरमाइन्स के खिलाफ कोर्ट कठघरे से फरार होने का प्रकरण भुपालपुरा पुलिस थाने में दर्ज करवाया।

- कोर्ट ने 26 नवंबर को सजा सुनाई थी

जिसमें पीड़ित ने बताया कि आरोपी को अपहरण एवं दुष्कर्म मामले में तथा लैगिंग अपराधों बालकों सरंक्षण अधिनियम 2012 में दोष सिद्ध होने पर कोर्ट ने 26 नवंबर को सजा सुनाई थी। इस दौरान आरोपी कोर्ट के कठघरे में खड़ा था। सजा सुनाने के बाद अपने अधिवक्ता पुष्करलाल मैनारिया से लक्ष्मण बातचीत कर रहा था कि अचानक वह कठघरे से दौड़ कर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

# झुंझुनूं में फर्जी पोस्टमार्टम के बाद अब फर्जी एफआईआर

## बाल कल्याण समिति ने करवा दिया पोक्सो का फर्जी मुकदमा, नाबालिग ने किया खुलासा

**झुंझुनूं,** (निसं)। चूरू के महिला पुलिस थाने में पिछले महीने एक नाबालिग द्वारा झुंझुनूं के एक पत्रकार, एक बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारी, एनजीओ संचालक समेत छह जनों के खिलाफ दर्ज करवाई गई एफआईआर को लेकर नया बवाल खड़ा हो गया है।

दरअसल सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने इस कथित झुंझुनूं निवासी पोक्सो पीड़िता को मां को सुपुर्द किए जाने के आदेश दिए थे। जिसके बाद पीडिता ने अपनी आप बीती बताते हुए कहा था कि उससे बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक सदस्य शर्मिला पूनियां खाली कागजों पर साइन करवाकर ले गई और उसने किसी प्रकार का कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं करवाया। इससे पहले कथित पोक्सो पीड़िता की मां करीब डेढ़ महीने तक बाल कल्याण समिति और अधिकारियों के चक्कर लगाती रही। वह लगातार अपनी बेटी की सुपुर्दगी के लिए गुहार लगाती रही। लेकिन बाल कल्याण समिति ने मां को उसकी बेटी सुपुर्द नहीं की। जिसके बाद हाईकोर्ट की डबल बैंच ने मां को तत्काल बेटी को मां को सुपुर्द करने के आदेश दिए। हाईकोर्ट में युवा अधिवक्ता नितिन चौमाल व अधिवक्ता कविश दुबे ने पैरवी की। इधर, मामले बिगडा तो बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक सदस्य शर्मिला पूनियां ने एफआईआर दर्ज करवाने के मामले में अपना पल्ला झाडते हुए कहा कि उन्होंने कोई एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। एसपी ने एफआईआर दर्ज करवाई है।

**आधार कार्ड में उलझी समिति, एसआईआर रिपोर्ट पर कुछ नहीं किया :-** इस मामले में बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की भूमिका इसलिए भी संदिग्ध हो जाती है कि बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष कमला व सदस्य सभी एक ही बात दोहरा रहे है कि नाबालिग की मां आधार कार्ड या फिर अपनी पहचान का कोई दस्तावेज नहीं पेश कर रही थी। जबकि स्वयं समिति ने विभागीय अधिकारियों से एसआईआर रिपोर्ट तैयार करवाई। जिसमें ना केवल मां के, बल्कि पडौसियों तक से बातचीत कर रिपोर्ट तैयार की गई। जो सकारात्मक थी। बावजूद इसके बाल कल्याण समिति ने नाबालिग का संरक्षण

- फंसे तो बोले- हमने नहीं एसपी ने करवाया

उसकी मां को नहीं दिया।

**चूरू एसपी और झुंझुनूं कलेक्टर को लेकर कही बात :-** बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक सदस्य शर्मिला पूनियां ने राजस्थान पत्रिका से बातचीत में कहा कि उन्होंने कोई एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। एसपी चूरू के द्वारा महिला थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इधर, नाबालिग की मां के प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए एक आदेश में बाल कल्याण समिति ने लिखा है कि चूरू एसपी ने झुंझुनूं कलेक्टर के आदेश पर एफआईआर दर्ज करवाई है। इस सवाल पर शर्मिला पूनियां ने कहा कि कलेक्टर झूठ भी बोल सकते है। हमारे पास कलेक्टर के आदेश है।

**पिछले साल भी करवाई थी एफआईआर :-** बाल कल्याण समिति झुंझुनूं का कार्यभार संभालने से पहले बाल कल्याण समिति चूरू ने ऐसी की ऐसी एक एफआईआर जुलाई 2023 में भी इन्हीं कथित आरोपियों के खिलाफ करवाई थी। जो पुलिस जांच में झूठी मिली थी। बावजूद इसके अब झुंझुनूं का कार्यभार संभालने के दो दिन में ही इन्हीं अध्यक्ष व सदस्यों ने एक और एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसे लेकर अब परिवादी नाबालिगा ने ही सवाल खडे कर दिए है। इस मामले को लेकर जब बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक अध्यक्ष कमला देवी से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि हमने जो भी किया है। वो नियमों के अनुसार। कानून के हिसाब से सही किया है सारा काम। बच्ची के हित में ही किया है। वो हमारी बच्ची थी। जो किया है नो वो बच्ची के हित में किया है। यह कहते हुए फोन काट दिया। इसके बाद हमारे संवाददाता द्वारा बार-बार कमला देवी को कॉल किया गया। लेकिन उन्होंने फोन रिसिव नहीं किया।

**सदस्य हरफूल ने विभाग की एसआईआर पर उठाए सवाल :-** इस मामले में बाल कल्याण समिति झुंझुनूं के सदस्य हरफूल सिंह ने बाल अधिकारिता विभाग की एसआईआर रिपोर्ट पर ही सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमने जो कार्रवाई की। वो हमारे दिमाग से नियमानुसार किया है। ना तो हमारा मकसद था कि बच्ची को परेशान करें। उन्होंने कहा कि जब नाबालिग की मां आई थी। तो उसके पास ना तो आधार कार्ड था और ना ही राशन कार्ड। जब उनसे मांगा तो उन्होंने कहा कि कुछ नहीं है हमारे पास। बच्ची ने अब क्या कहा है। उस पर मैं नहीं जाना चाहता।

बातचीत में हरफूल सिंह ने बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारियों द्वारा तैयार की गई एसआईआर रिपोर्ट पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि रिपोर्ट में ना तो आधार कार्ड आया और ना ही राशन कार्ड। लगातार सवालों से फंसते हुए मनीराम ने अंत में यही कहा कि मैं फाइल देखकर ही बताउंगा। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकता। धन्यवाद। रामावतार मीणा, कलेक्टर, झुंझुनूं ने बताया कि मेरे पास एक पत्र आया था। जो मैंने उसी वक्त वापिस लौटा दिया था। ना ही मैंने कोई आदेश दिए थे और ना ही निर्देश। बाल कल्याण समिति झुंझुनूं ने अपने आदेश में ऐसा लिखा है। इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। इसकी जांच करवाएंगे।